27 को मनाया जायेगा यूटीयू का 18वां स्थापना

मुख्यमंत्री करेंगे आईआईटी, एनआईटी व आईआईएम में अध्ययनरत 251 छात्रों को पुरस्कृत

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

देहरादून। आजादी के अमृत महोत्सव काल में देश, जब अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद कर रहा है और इसी आजादी के अमृत महोत्सव काल में वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विवि अपने युवा अवस्था में प्रवेश कर रहा है जो अपने-आप में एक सुखद संयोग है। 27 जनवरी, 2005 को उत्तरांचल तकनीकी विश्वविद्यालय के नाम से उत्तराखण्ड राज्य में तकनीकी शिक्षा के उन्नयन हेतु स्थापित वर्तमान वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विवि का 27 जनवरी को 18वां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से बनाये जाने की तैयारियां हुई पूर्ण। 27 जनवरी को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के आयोजन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं तकनीकी शिक्ष मंत्री सुबोध उनियाल कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। माधो सिंह भण्डारी कम उम्र में ही श्रीनगर के शाही दरबार में सेना में भर्ती हो गये और अपनी वीरता व युद्ध कौशल से सेनाध्यक्ष के पद पर पहुंच गये।

वह टिहरी नरेश राजा महिपात शाह (1629-1646)की सेना में सेनाध्यक्ष रहे थे, जहां उन्होंने कई नये क्षेत्रों में राजा के राज्य को विस्तार देते हुए कई किलों को बनवाने में मदद की। इन्होंने कई महीनों की मेहनत के बाद चन्द्रभागा नदी से पहाड़ों में सुरंग तैयार कर एक इंजीनियर की भूमिका निभाते हुये अपने गाँव मलेथा तक पानी पहुंचाने का कार्य कर सूखे की समस्या का निराकरण किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम में प्रवेश पाये उत्तराखण्ड राज्य के स्थायी निवासी 251 छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कार स्वरूप 50 हजार रूपये की धनराशि प्रति छात्र को वितरित की जायेंगे।

- » विवि परिसर में वीर माधो सिंह भण्डारीकी मूर्ति व टी-55 युद्धक ट्रॉफी का होगा अनावरण
- » प्रथम एल्यूमिनी मीट का होगा आयोजन

श्रृंखला का टैंक है दुनिया में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है

सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने आर्मी डिजाईन ब्यूरो के साथ समझौता कर पूरे देश में राज्य विश्वविद्यालय के रूप में रक्षा क्षेत्र में कार्य प्रारम्भ करने वाला संस्थान में अपना नाम दर्ज कराया है। उसी समझौते से प्रेरित हो कर 27 जनवरी को विश्वविद्यालय अपने 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना की युद्ध ट्रॉफी-युद्ध टैंक टी-55 को परिसर में स्थापित कर मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा अनावरण किया जायेगा।यह युद्धक ट्रॉफी रक्षा मंत्रालय के आयुध निदेशालय के माध्यम से पूणे (महाराष्ट्र) में सेन्ट्रल आर्मड फाइटिंग व्हीकल डिपो से तकनीकी विवि को प्राप्त हुई है। टी-55 युद्धक टैंक रूस द्वारा निर्मित उस श्रृंखला का टैंक है जिसका दुनिया में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है व 50 से अधिक देशों में इसकी सेवा ली जा रही है। टी-55 वह युद्धक टैंक है जिसने वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान के मध्य हुए युद्ध में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसके कारण दुनिया के मानचित्र पर नये राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश का सृजन हुआ।

विश्वविद्यालय ने अपने स्थापना वर्ष 2005 में सुभाष रोड़ स्थित ड्रायवी होटल के दो कमरोंसे शुरूआत की और अपने 18 वर्ष की इस यात्रा में आज अपने वर्तमान परिसर के भव्य स्वरूप व आकार में अपने स्थायित्व की थाह ले रहा है। विश्वविद्यालय अपने 18 वर्ष के कार्यकाल में कई तरह के उतार-चढ़ाव और झंझावतों को पार कर आज अपने वर्तमान मुकादम पर सफलतापूर्वक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश और समाज को किसी व्यवसाय के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, अभिवृत्तियों की शिक्षा देना तकनीकी शिक्षा के अन्तर्गत आता है व तकनीकी शिक्षा किसी भी देश व समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और निर्माण के हर क्षेत्र में तकनीशियनो की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में हमें और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है तथा हमें तकनीकी शिक्षा के माध्यम से देश व राज्य के युवाओं को प्रशिक्षण देकर हुनरबन्द बनाना होगा और यह तभी सम्भव हो पायेगा जब हम युवाओं को व्यावसायिक व तकनीकी प्रशिक्षण दें। सरकार भी इस विषय पर गम्भीर है क्योंकि सरकार भी जानती है कि तकनीकी शिक्षा का स्तर बढ़ाने की आवश्यकता है। कुलपति ने कहा कि तकनीकी विश्वविद्यालय भी इसी दिशा में तत्परता के साथ आगे बढ़कर युवाओं को प्रशिक्षित करने का कार्य कर रहा है। अपने स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेश के ओजस्वी व युवा मुख्यमंत्री के हाथों उत्तराखण्ड के महान योद्धा, सेनापति और कुशल इंजीनियर रहे वीर माधो सिंह भण्डारी, जो माधो सिंह मलेथा के नाम से भी जाने जाते हैं जिनके नाम पर तकनीकी विश्वविद्यालय का नामाकरण हुआ है, की मूर्ति का अनावरण भी होगा।

-प्रो. ओंकार सिंह
(कुलपति), यूटीयू देहरादून

मिलिट्री स्टडीज एण्ड डिफेन्स मैनेजमेंट में अवार्ड किया जायेगा

विवि अपने स्थापना दिवस 27 जनवरी को विभिन्न क्षेत्रों में 3 एमओयू पर भी हस्ताक्षर होने हैं जिनमें से एक विवि द्वारा भारतीय सैन्य अकादमीआईएमएम के साथ वर्ष 2012 में हुए आपसी एमओयू का विस्तार किया जाना है जिसके अन्तर्गत वर्तमान में भारतीय सेना और मित्र राष्ट्रों के जेन्टिलमैन कैडेट्स को मिलिट्री स्टडीज और डिफेंस मैनेजमेंट के क्षेत्र में डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किया जा रहा है। विश्वविद्यालय और भारतीय सैन्य अकादमी एक कदम और आगे बढ़ते हुए उसी एमओयू की शर्तों को विस्तार देते हुए अब आईएमए में द्वितीय और तृतीय अवधि के प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले भारतीय सेना और मित्र राष्ट्रों के आवेदन योग्य सभी ग्रेजुएट जैंटिलमैन कैडेट्स को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मिलिट्री स्टडीज एण्ड डिफेन्स मैनेजमेंट में अवार्ड किया जायेगा। वहीं दूसरी ओर वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व केवीएस प्रीमियर फाउण्डेशन काशीपुर के मध्य एमओयू होना है जिसका उद्देश्य एक प्रायोजित स्वर्ण पदक की स्थापना के साथ-साथ बीटेक के मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को प्रोत्साहित करना है। केवीएस प्रीमियर फाउण्डेशन स्कॉलरशिप के नाम से रूपये 2500.00 की धनराशि,सिविल इंजीनियरिंग में अध्ययनरत आर्थिक रूप से कमजोर वहोनहार दो छात्रोंको प्रति माह के आधार विश्वविद्यालय में संचित की जायेगी और उक्त पुरूस्कार राशि को चयनित छात्रों को वार्षिक आधार पर पुरूस्कार स्वरूप प्रदान की जायेगी। उक्त छात्रवृत्ति वितरण हेतु एक तीन सदस्यीय छात्रवृत्ति प्रबन्ध समिति होगी जो पुरस्कार हेतु छात्रों का चयन करेगी।